

दिल्ली राजपत्र Delhi Gazette

असाधारण
EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 81]	दिल्ली, मंगलवार, जून 17, 2014/ज्येष्ठ 27, 1936	[रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 48
No. 81]	DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 2014/JYAISTHA 27, 1936	[N.C.T.D. No. 48

भाग—IV
PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार
GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (राजस्व-I) विभाग
अधिसूचनाएँ

दिल्ली, 17 जून, 2014

सं. एफ.10(1)/वित्त (राजस्व-I)/14-15/डीएस-VI/603 .-दिल्ली आबकारी अधिनियम, 2009 (2010 का दिल्ली अधिनियम 10) की धारा 81 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली आबकारी नियमावली, 2010 में पुनः संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारम्भ :-

- (1) इन नियमों को दिल्ली आबकारी (संशोधन) नियमावली, 2014 कहा जाएगा ।
- (2) यह दिल्ली राजपत्र में अपनी प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगी ।

2. दिल्ली आबकारी नियमावली, 2010 के नियम 152 के उप-नियम (1) में संशोधन:-

- (क) खंड (i) में "थोक विक्रय मूल्य पर शुल्क की दर" से संबंधित कॉलम में और क्रम संख्या 2 से संबंधित पंक्ति में आए अंक "170 प्रतिशत" के स्थान पर अंक "225 प्रतिशत" प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।
- (ख) खंड (iii) में क्रम संख्या 1, 2 एवं 3 से संबंधित पंक्तियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

क्र. सं.	श्रेणी	थोक विक्रय मूल्य पर शुल्क की दर
1.	बीयर, साइडर और एल्कोपॉप 650मिली का प्रति क्वार्टज़	150 प्रतिशत

3. दिल्ली आबकारी नियमावली, 2010 के नियम 154 के उप-नियम (4) में संशोधन :- तालिका के कॉलम 4 में क्रम संख्या 14 से संबंधित पंक्ति में उपबंध (ख) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“बीयर को छोड़कर एल-1 लाइसेंस प्रदान करने के लिए घोषित शर्तों के अनुसार सस्ती शराब के आयात हेतु शुल्क”

FINANCE (REVENUE-1) DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Delhi, the 17th June, 2014

No.10(1)/Fin(Rev-I)/2014-15/dsVI/603.- In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 81 of the Delhi Excise Act, 2009 (Delhi Act 10 of 2010), the Government of National Capital Territory of Delhi hereby makes the rules further to amend the Delhi Excise Rules, 2010 as following, namely :-

1. **Short Title and Commencement.-** (1) These rules may be called the Delhi Excise (Amendment) Rules 2014.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.

2. **Amendment of rule 152 in the Delhi Excise Rules, 2010 in sub rule(1). -**

- (a) In clause (i) in the column pertaining to “Duty @ Wholesale Price” and in Row pertaining to Sl. No.2 for the figures “170 percent” the figures “225 percent” shall be substituted.
- (b) In clause (iii) for the rows pertaining to serial numbers 1,2 and 3 the following shall be substituted, namely: -

S.No.	Category	Duty @ Wholesale price
1.	Beer, Cider and Alcopop per quarts of 650 ml	150 percent

3. **Amendment of rule 154 in the Delhi Excise Rules, 2010, in sub rule (4). -** in column 4 of the table, in row pertaining to serial number 14 for the provision (b), the following shall be substituted, namely: -

“Fee for import of Economy Liquor as declared in Terms and Conditions for grant of L-1 Licence excluding beer”

सं फा 03(2)/वित्त (राज0-1)/2014-15/डीएस-VI/605.- दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 (2005 का दिल्ली अधिनियम 03) की धारा 102 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद्वारा दिल्ली मूल्य संवर्धित कर नियमावली, 2005 का पुनः संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

नियमावली

1. **संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ :-** (1) इन नियमों को दिल्ली मूल्य संवर्धित कर (द्वितीय संशोधन) नियमावली, 2014 कहा जा सकेगा।
(2) यह दिल्ली राजपत्र में अपनी प्रकाशन तिथि से प्रभावी होगी।
2. **नियम 57क का संशोधन :-** मूल नियमावली के नियम 57क के उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-
“अपील के प्रत्येक ज्ञापन के साथ इन नियमों के प्रथम परिशिष्ट में निर्धारित शुल्क देना होगा”।
3. **परिशिष्ट-I का संशोधन :-** मूल नियमावली के साथ संलग्न परिशिष्ट-I के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-1

निर्धारित शुल्क

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपये में)	भुगतान की पद्धति
1.	पंजीकरण के लिये आवेदन पत्र	1000	नियम 31 में निर्धारित पद्धति में भुगतान की जाने वाली राशि
2.	पंजीकरण प्रमाण पत्र की अनुलिपि के लिये अनुरोध	200	- वही -
3.	प्रलेखों का निरीक्षण	200	- वही -
4.	आयुक्त के कब्जे में प्रलेखों की प्रतियां बनाना: प्रति पृष्ठ	100	- वही -
5.	आपत्ति/अपील प्रस्तुत करना	100	- वही -
6.	कोई अन्य आवेदन	100	- वही -
7.	धारा 84 के अन्तर्गत किसी विशेष प्रश्न के निर्धारण के लिये आवेदन	1000	- वही -
8.	मूल्य संवर्धित कर व्यवसायी के रूप में नामांकन के लिये आवेदन	10000	- वही -
9.	वकालत नामा या मुख्तारनामा पर	25	न्यायालय शुल्क स्टाम्प

4. फार्म डी वैंट 16 का संशोधन :- मूल नियमावली के फार्म डी वैंट 16 में

(क) आर 2.4 के बाद निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात् :-

आर 2.5 क्या आपने टिन प्राप्त किया है

हाँ/नहीं

आर 2.6 यदि आर 2.5 में हां है, तो टिन का उल्लेख करें

(ख) ब्लाक आर 11 के बाद निम्नलिखित को सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात् :-

“आर 11 (1) - धारा 60 के अन्तर्गत कार्यवाहियों के दौरान स्वीकार्य और घोषित की गई कर कमी के कारण देय कर राशि।

(राशि रुपये में)

वर्ष	कर अवधि	कुल बिक्री	कर	ब्याज	अर्थदंड	अन्य	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8

आर 11(2)- आर 11 (1) के संबंध में जमा कराई गई राशि

क्रम सं०	जमा कराने की तिथि	चालान संख्या	बैंक तथा शाखा का नाम	राशि (रुपये में)
1	2	3	4	5

(ग) परिशिष्ट 2क के बाद निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात् :-

परिशिष्ट-2क (1)

(अनुदेश 9 देखिए)

पूर्ववर्ती कर अवधि के दौरान की गई खरीद/इनवार्ड शाखा अन्तरण, लेकिन परिशिष्ट 2क में उल्लिखित खरीद में से वर्तमान

कर अवधि के दौरान प्राप्ति का सार

(तिमाहीवार)

(विवरणी के साथ भरा जाए)

टिन :

व्यापारी का नाम

कर अवधि के लिये खरीद _____ से _____ तक

खरीद का सार (दिल्ली मूल्य संवर्धित कर-30 में अभिलेखबद्ध के अनुसार)

(सभी राशि रुपये में)

क्रम सं०	तिमाही एवं वर्ष	विक्रेता का टिन	विक्रेता का नाम	दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम के अन्तर्गत कर की दर (सभी कॉलमों के लिये)
1	2	3	4	5

अन्तर्राज्यीय खरीद/स्टाक अन्तरण आयात जो इनपुट कर क्रेडिट के लिये अयोग्य है

भारत से बाहर आयात	सागर से आयात	पारीय	सी-फार्म पर खरीदी गई पूँजीगत वस्तुएं	सी-फार्म पर खरीदी गई वस्तुओं के अतिरिक्त	एच-फार्म पर खरीदी गई वस्तुओं के अतिरिक्त	फार्म के बिना खरीद
6	7	8	9	10	11	

अन्तर्राज्यीय खरीद/स्टाक अन्तरण/आयात इनपुट कर क्रेडिट के लिये अयोग्य

फार्म-एफ इनवार्ड अन्तरण (शाखा)	पर स्टोक अन्तरण (खेप)	फार्म-एफ पर इनवार्ड स्टोक के बाद वापिस अपना माल	फार्म-एफ पर जीव कार्य के लिये अन्य व्यापारियों की प्राप्त वस्तुएं
12	13	14	15

स्थानीय खरीद जो इनपुट कर क्रेडिट के लिये अयोग्य

अपजीकृत व्यापारी से खरीद	कम्पोजिशन व्यापारी से खरीद	नान क्रेडिट वाली वस्तुओं की खरीद (अनुसूची-VII)	कर मुक्त वस्तुओं की खरीद	निर्माण कार्य संविदा से संबंधित श्रम एवं सेवाओं की खरीद
16	17	18	19	20

स्थानीय खरीद जो इनपुट कर क्रेडिट के लिये अयोग्य

उन इन्वार्ड पर खरीद जरे आई टी सी के अयोग्य है	खुदरा इन्वार्ड पर वस्तुओं की खरीद	दिल्ली में तेल विपणन कंपनियों से पेट्रोल एवं डीजल की खरीद	एच-फार्म पर खरीद	पूँजीगत माल की खरीद (नॉन क्रेडिटेबल वस्तुओं के निर्माण के लिये प्रयुक्त)
21	22	23	24	25

इनपुट कर क्रेडिट के लिये योग्य स्थानीय खरीद

अपजीकृत वस्तुएं			अन्य (वस्तुएं)			अन्य (निर्माण संविदा)		
खरीद राशि (वैट रहित)	इनपुट भुगतान	कर	खरीद राशि (वैट रहित)	इनपुट भुगतान	कर	खरीद राशि (वैट रहित)	भुगतान किया गया इनपुट	
26	27		28	29		30	31	

टीप - अपजीकृत व्यापारी के आंकड़े प्रत्येक तिमाही के लिये कर दर वार समेकित कर सकते हैं।

* इसमें कालम संख्या 21 में कर मुक्त डी ई पी बी (स्वउपभोग हेतु) वस्तुओं के विनिर्माण के लिये प्रयुक्त वस्तुएं एवं कच्चा माल शामिल होगा।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

(घ) अनुदेश संख्या 7 के उपरान्त निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्

" 8. अधिनियम की धारा 87 की उप-धारा (6) के अन्तर्गत अर्थदण्ड की छूट लेने के लिये धारा 60 के अन्तर्गत कार्यवाहियों के परिणाम स्वरूप जमा कराई गई राशि का विवरण दीजिए या तो अन्यथा ब्लाक आर 11(1) तथा आर 11(2) में।

9. पूर्ववर्ती कर अवधि के दौरान परिशिष्ट 2 क में खरीदी गई और सूचित की गई वस्तुओं का विवरण दीजिए, लेकिन जो परिशिष्ट 2क(1) में चालू कर अवधि के दौरान प्राप्त की गई परिशिष्ट 2क(1) का प्रारूप / फार्मेट परिशिष्ट 2 क के समान होगा। जब आपने परिशिष्ट 2क में खरीदी का विवरण बीजक अनुसार भरा हुआ है तब ऐसा अपलोडिंग करना आवश्यक नहीं है शर्त यह है कि सम्बद्ध विक्रेता/विक्रेताओं ने सौदों का विवरण बीजकवार भी भरा हुआ हो। "

5. फार्म डी वैट 17 में संशोधन: मूल नियमावली के प्रपत्र डी वैट 17 में निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्

(i) भाग क में

(क) पंक्ति संख्या आर 2.4 के बाद निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्

आर 2.5 क्या आपने टैन प्राप्त कर लिया है	हाँ/नहीं
आर 2.6 यदि हाँ, तो आर 2.6 में टैन का उल्लेख करें	

(ख) ब्लाक आर 9 के बाद निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्:

आर 9(1) धारा 60 के अन्तर्गत कार्यवाहियों के दौरान स्वीकार्य और घोषित की गई कर त्रुटि के कारण देय राशि

(राशि रुपये में)

वर्ष	कर अवधि	कुल बिक्री	कर	ब्याज	अर्थदंड	अन्य	जोड़
1	2	3	4	5	6	7	8

2505 14 + 2

आर 9 (2)-9(1) के संबंध में जमा कराई गई राशि

क्रम सं.	जमा कराने की तिथि	चालान संख्या	बैंक तथा शाखा का नाम	राशि (रुपये में)
1	2	3	4	5

(ii) भाग ख में

(क) लाइन आर 2.4 के पश्चात् निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात् :-

आर 2.5 क्या आपने टैन प्राप्त कर लिया है

हां/नहीं

आर 2.6 यदि हां, तो आर 2.5 में टैन का उल्लेख कर

(ख) ब्लाक आर 9 के पश्चात् निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात् :-

"आर 9(1)-धारा 60 के अन्तर्गत कार्यवाही के दौरान स्वीकार तथा घोषित की गई कर न्यूनता के कारण देय कर "

(राशि रुपये में)

वर्ष	कर अवधि	कुल विक्री	कर	ब्याज	अर्थदंड	अन्य	जोड़
1	2	3	4	5	6	7	8

आर 9(2) - 9(1) के विषय में जमा की गई राशि

क्रम सं.	जमा कराने की तिथि	चालान संख्या	बैंक तथा शाखा का नाम	राशि (रुपये में)
1	2	3	4	5

(ग) अनुलग्नक 2क के पश्चात् निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्

"परिशिष्ट-2क (1)

(अनुदेश 7 देखिए)

पूर्ववर्ती कर अवधि के दौरान की गई खरीद/इनवार्ड शाखा अन्तरण, लेकिन परिशिष्ट 2क में उल्लिखित खरीद में से वर्तमान कर अवधि के दौरान प्राप्त

(तिमाही अनुसार)

(विवरणी के साथ प्रस्तुत किया जाए)

टिन :

व्यापारी का नाम :

पता :

कर अवधि के लिये खरीद— से — तक

खरीद का सार (दिल्ली मूल्य संवर्धित कर-30 में अभिलेखबद्ध अनुसार)

(सभी राशि रुपये में)

क्रम सं.	तिमाही एवं वर्ष	विक्रेता का टिन	विक्रेता का नाम	दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम के अन्तर्गत कर की दर और समाधान दण्ड की लागू दर यदि निर्माण कार्य उप सविदाकार के माध्यम से निष्पादित किया गया हो
1	2	3	4	5

दिल्ली में खरीद की कुल बिक्री					
कर इनवाइस/खुदरा इनवाइस पर खरीद	छूट प्राप्त वस्तुएं	अपजीकृत व्यापारी से खरीद	उप सविदा कर द्वारा निष्पादित निर्माण सविदा	समाधान योजना की धारा सी सी 0: के अन्तर्गत उप सविदाकार	अधिनियम की धारा 3 के अनुसार कर भुगतान कर रहे उप सविदाकार
6	7	8	9(क)	9(ख)	10

अन्तर्राज्यीय खरीद/स्टाक अन्तरण					
फार्म ग के अन्तर्गत खरीद	फार्म एक पर इनवाइड स्टाक अन्तरण	फार्म एक पर इनवाइड स्टोक अन्तरण (खेप)	अन्य (फार्म के अनुसार नहीं)	कुल (कर सहित)	
11	12	13	14	15	

टीप - अपजीकृत व्यापारियों के संबंध में आंकड़े प्रत्येक तिमाही के लिये कर दर वार समेकित किये जा सकते हैं ।

व्यापारी/प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

घ) अनुदेश संख्या 5 के उपरांत निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्:-

“6. अधिनियम की धारा 87 की उपधारा (6) के अन्तर्गत अर्थदण्ड की छूट लेने के लिये धारा 60 के अन्तर्गत कार्यवाहियों के परिणाम स्वरूप जमा कराई गई राशि का विवरण दीजिए या तो अन्यथा ब्लाक आर 9(1) तथा आर 9(2) में विवरणी के दोनों भागों में भी भरा जाए ।

7. पूर्ववर्ती कर अवधि के दौरान परिशिष्ट 2 क में खरीदी गई और सूचित की गई तथा वर्तमान कर अवधि में परिशिष्ट 2क(1) में प्राप्त की गई वस्तुओं का विवरण दीजिए। परिशिष्ट 2क(1) का प्रारूप /फार्मेट परिशिष्ट 2क के समान होगा। जब आपने परिशिष्ट 2क में खरीदी का विवरण बीजक अनुसार भरा हुआ है तब ऐसा अपलोडिंग करना आवश्यक नहीं है, शर्त यह है कि सम्बद्ध विक्रेता/विक्रेताओं ने सौदों का विवरण बीजकवार भी भरा हुआ हो।”

6. फार्म डी वैंट 48 में संशोधन/: फार्म डी वैंट 48 के क्रमांक संख्या 3 के पश्चात् निम्नलिखित सन्निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्:-

3(क) क्या आपने टिन भी प्राप्त कर लिया है

हां/नहीं

3(क) यदि 3 क हां में हैं, तो टिन का उल्लेख कीजिए

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल
के आदेश से तथा उनके नाम पर
रविन्द्र कुमार, उप-सचिव-VI (वित्त)

No.F.3(2)/Fin(Rcv-I)/2014-15/dsVI/605.- In exercise of the powers conferred by Section 102 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004 (Delhi Act 3 of 2005), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby, makes the following rules to further amend the Delhi Value Added Tax Rules, 2005, namely:-

RULES

1. Short title and commencement- (1) These rules may be called the Delhi Value Added Tax (Second Amendment) Rules, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.

2. **Amendment of rule 57A.**- In the principal Rules, in rule 57A, for sub-rule (2) the following shall be substituted, namely:-

“Every memorandum of appeal shall be accompanied by a fee prescribed in Annexure I of these rules.”

3. **Amendment of Annexure-1** - In the principal Rules, for Annexure-1 appended thereto the following shall be substituted, namely:

“Annexure 1

PRESCRIBED FEE

Sr. No.	Description	Amount (in Rupees)	Manner of payment
1	2	3	4
1.	Application for Registration	1000	Fee to be paid in the manner prescribed in rule 31
2.	Request for duplicate of certificate of registration	200	do
3.	Inspection of documents	200	do
4.	Making copies of documents in the Commissioner's possession: per page	100	do
5.	Submitting an objection / appeal	100	do
6.	Any other application	100	do
7.	Application for determination of a specific question under section 84	1000	do
8.	Application for enrolment as a value added tax practitioner	10000	do
9.	On Vakalatnama or Mukhtianama	25	Court fee stamps

4. **Amendment of Form DVAT 16.**- In the principal Rules, in Form DVAT -16

(a) After R2.4 the following shall be inserted, namely:-

“

R2.5 Have you obtained TAN	Yes/ No
R2.6 If Yes in R2.5, indicate TAN	

(b) After block R11, the following shall be inserted, namely:-

“**R11(1)** - Tax payable due to tax deficiency admitted and declared during the course of proceedings under section 60.

(Amount in Rs.)

Year	Tax Period	Turnover	Tax	Interest	Penalty	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8

R11(2) - Amount deposited with respect to R11(1)

Sl. No.	Date of Deposit	Challan No.	Name of Bank and Branch	Amount (in Rs.)
1	2	3	4	5

(c) After Annexure 2A, the following shall be inserted, namely: -

"Annexure – 2A(1)

(See instruction 9)

Summary of purchase/Inward branch transfer made during the preceding tax period but received during the current tax period out of purchases mentioned in Annexure 2A (Quarter wise)

(To be filed along with return)

TIN :

Name of the Dealer :

Purchase for the tax period : From _____ to _____

Summary of Purchase (As recorded in DVAT-30)

(All amounts in Rupees)

Sr. No.	Quarter & Year	Seller's TIN	Seller's Name	Rate of Tax under DVAT Act (for all columns)
1	2	3	4	5

Inter-State Purchase/Stock Transfer/Import not eligible for credit of input tax					
Import from Out-side India	High Sea Purchase	Capital Goods purchased against C-Forms	Goods (Other than capital goods) purchased against C-Forms	Purchase against H-Form (other than Delhi dealers)	Purchases without Forms
6	7	8	9	10	11

Inter-State Purchase/Stock Transfer/Import not eligible for credit of input tax			
Inward Stock Transfer (Branch) against F-Form	Inward Stock Transfer (Consignment) against F-Form	Own goods received back after job work against F-Form	Other dealers goods received for job work against F-Form
12	13	14	15

Local Purchases not eligible for credit of input tax				
Purchase From Unregistered dealer	Purchases from Composition Dealer	Purchase of Non-creditable goods (Schedule-VII)	Purchase of Tax free goods	Purchase of labour & services related to Works Contract
16	17	18	19	20

Local Purchases not eligible for credit of input tax				
Purchase against tax invoices not eligible for ITC *	Purchase of Goods against retail invoices	Purchase of Petrol & Diesel from Oil Marketing Companies in Delhi	Purchase from Delhi dealers against Form-H	Purchase of Capital Goods (Used for manufacturing of non-creditable goods)
21	22	23	24	25

Local Purchases eligible to credit of input tax

2505 A4/14-3

Capital Goods		Others (Goods)		Others (Works Contract)	
Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid	Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid	Purchase Amount (excluding VAT)	Input Tax Paid
26	27	28	29	30	31

Note: - Data in respect of unregistered dealers may be consolidated tax rate wise for each Quarter.

- * will include purchase of DEPB (for self-consumption), consumables goods & raw material used for manufacturing of tax free goods in Column No.21.

Signature of Dealer /Authorized Signatory ”

(d) after instruction No.7, the following shall be inserted, namely:-

“8. Provide details of amount deposited consequent to proceedings under section 60 to seek remission of penalty under Sub-section (6) of Section 87 of the Act or even otherwise in block R11 (1) and R11(2).

9. Provide details of goods purchased, and reported in Annexure -2A, during preceding tax period but received during the current tax period in Annexure 2A(1). The format of Annexure 2A(1) shall be similar to Annexure 2A. If you have uploaded invoice wise details of purchases in Annexure-2A, then such uploading is not necessary, provided the corresponding seller(s) have also uploaded invoice wise sale details of the transactions.”

5. Amendment in Form DVAT 17.- In the principal Rules, in Form DVAT -17, the following shall be inserted, namely: -

(i) in Part A,

(a) after row R2.4, the following shall be inserted, namely: -

R2.5 Have you obtained TAN	Yes/ No									
R2.6 If Yes in R2.5, indicate TAN										

(b) after block R9, the following shall be inserted, namely: -

“R 9(1) - Tax payable due to tax deficiency admitted and declared during the course of proceedings under section 60:

(Amount in Rs.)							
Year	Tax Period	Turnover	Tax	Interest	Penalty	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8

R9 (2) – Amount deposited with respect to 9(1)

Sl. No.	Date of Deposit	Challan No.	Name of Bank and Branch	Amount (in Rs.)
1	2	3	4	5

(ii) in Part B

(a) after row R2.4, the following shall be inserted, namely: -

R2.5 Have you obtained TAN	Yes/ No									
R2.6 If Yes in R2.5, indicate TAN										

(b) after block R9, the following shall be inserted, namely: -

"R9(1) - Tax payable due to tax deficiency admitted and declared during the course of proceedings under section 60"

(Amount in Rs.)

Year	Tax Period	Turnover	Tax	Interest	Penalty	Others	Total
1	2	3	4	5	6	7	8

R9 (2) - Amount deposited with respect to 9(1)

Sl. No.	Date of Deposit	Challan No.	Name of Bank and Branch	Amount (in Rs.)
1	2	3	4	5

(c) After Annexure 2A, the following shall be inserted, namely: -

Annexure - 2A(1)
(See instruction 7)

Summary of purchase / Inward branch transfer made during the preceding tax period but received during the current tax period out of purchases mentioned in Annexure 2A (Quarter wise)

(To be filed along with return)

TIN: Name of the Dealer:

Address: Purchase for the tax period: From ___ to ___

Summary of Purchase (As recorded in DVAT-30)

(All amounts in Rupees)

S. No.	Quarter & Year	Seller's TIN	Seller's Name	Rate of Tax under DVAT Act and applicable rate of composition if works executed through sub-contractor.
1	2	3	4	5

2505 DG/14-4

Turnover of Purchases in Delhi					
Purchases against tax invoice/retail invoice	Exempted goods	Purchases from Unregistered Dealer	Works contract executed by sub-contractor		Total Purchases including Tax
			Sub contractors under composition scheme (CC 01)	Sub contractors paying tax as per Section 3 of the Act	
6	7	8	9(a)	9(b)	10
Inter State Purchases/Stock Transfer					
Purchases against 'C' Form	Inward Stock Transfer against 'F' Form	Import from Outside India	Others (not supported by forms)	Total (including tax)	
11	12	13	14	15	

Note:- Data in respect of unregistered dealers may be consolidated tax rate wise for each quarter.

Signature of Dealer /Authorized Signatory "

(d) after instruction No. 5, the following shall be inserted, namely:-

"6. Provide details of amount deposited consequent to proceedings under section 60 to seek remission of penalty under sub-section (6) of Section 87 of the Act or even otherwise in block R 9 (1) and R9(2) in both parts of the return.

7. Provide details of goods purchased, and reported in Annexure -2A, during preceding tax period but received during the current tax period in Annexure 2A (I). The format of Annexure 2A (I) shall be similar to Annexure 2A. If you have uploaded invoice wise details of purchases in Annexure-2A, then such uploading is not necessary, provided the corresponding seller (s) have also uploaded invoice wise sale details of the transactions."

6. Amendment in Form DVAT-48 - In Form DVAT-48, after Sr. No. 3, the following shall be inserted, namely:-

"3(a) Have you also obtained TIN?"	Yes/ No									
3(b) If Yes in 3(a), indicate TIN										

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi,

RAVINDER KUMAR, Dy. Secy.-VI (Finance)

परिवहन विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 17 जून, 2014

सं.फा. 17(102)/योजना/परि./2007/525.— मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 2 के खण्ड (41) के साथ पठित धारा 215 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल इसके द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्रत्येक राजस्व जिले में निम्न संरचना सहित जिला सड़क सुरक्षा समितियां गठित करते हैं, अर्थात्:

1. उपायुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट (प्रत्येक जिला)	—	अध्यक्ष
2. पुलिस उपायुक्त (सम्बद्ध जिला)	—	सदस्य
3. पुलिस उपायुक्त यातायात (सम्बद्ध जिला)	—	सदस्य
4. अधीक्षण अभियन्ता, लो.नि.वि. (सम्बद्ध जिला)	—	सदस्य
5. अधीक्षण अभियन्ता (दि.न.नि./नई दिल्ली नगर परिषद)	—	सदस्य
6. अधीक्षण अभियन्ता, दि.वि.प्रा. (सम्बद्ध जिला)	—	सदस्य
7. अपर सीडीएमओ (सम्बद्ध स्वास्थ्य जिला)	—	सदस्य
8. उप निदेशक (सम्बद्ध शिक्षा मण्डल)	—	सदस्य
9. मोटर लाइसेंसिंग अधिकारी (परिवहन विभाग का सम्बद्ध जिला)	—	सदस्य
10. अपर जिला मजिस्ट्रेट	—	संयोजक/सदस्य

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समितियां जिले में निम्नलिखित कार्य करेंगी:—

- दिल्ली की सड़कों पर दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान और उन्हें ठीक करने के उपाय ।
- रोगी वाहनों की तैनाती ।
- ट्रामा और रक्त बैंक सुविधा का विकास ।
- यातायात विनियमों का प्रवृत्तन
- जागरूकता लाने के लिये अभियान चलाना ।
- मार्ग पर सुविधाओं का सृजन
- जिला परिवहन कार्यालयों की कार्यप्रणाली की जांच ।
- सड़क सुरक्षा से संबंधित कोई अन्य मामला ।

जिला सड़क सुरक्षा समितियां तीन माह में कम से कम एक बार या आवश्यकतानुसार अपनी बैठक आयोजित करेंगी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के
उपराज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,
कुलदीप सिंह गंगर, विशेष आयुक्त (परिवहन)

TRANSPORT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Delhi, the 17th June, 2014

F. No. 17(102) Plg./Tpt/2007/525.—In exercise of powers conferred by Sub-section (3) of Section 215 read with clause (41) of section 2 of the Motor Vehicles Act, 1988, (59 of 1988) the Lieutenant Governor of Delhi hereby constitutes the District Road Safety Committees in each Revenue District in the National Capital Territory of Delhi with the following composition, namely:—

1. Deputy Commissioner and District Magistrate (Each District)	- Chairman.
2. Deputy Commissioner of Police (District concerned)	- Member.
3. Deputy Commissioner of Police, Traffic (District concerned)	- Member.
4. Superintending Engineer, PWD (District concerned)	- Member.
5. Superintending Engineer, District concerned (MCD/NDMC)	- Member.
6. Superintending Engineer, DDA (District concerned)	- Member.
7. Additional CDMO (Health District concerned)	- Member.
8. Deputy Director (Education District concerned)	- Member.
9. Motor Licensing Officer, Transport Department (District concerned)	- Member.
10. Additional District Magistrate	- Convener/Member.

The District Level Road Safety Committees will perform the following functions in the District:-

- (i) Identification of black spots on Delhi roads and their remedial measures.
- (ii) Deployment of ambulances.
- (iii) Development of Trauma care and Blood Bank facility.
- (iv) Enforcement of Traffic regulations.
- (v) Conduct of campaigns to spread awareness.
- (vi) Creation of wayside amenities.
- (vii) Check the functioning of the District Transport Offices.
- (viii) Any other matter relating to road safety.

The District Road Safety Committees will hold its meeting at least once in three months or as per requirement.

By order and in the name of the Lieutenant Governor of the
National Capital Territory of Delhi,
KULDEEP SINGH GANGAR, Special Commissioner